श्री सभापति: ठीक है, धन्यवाद। यह एक अच्छा सुझाव है।

श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH (TAMIL NADU) : Sir, I too associate my self with the matter raised by the hon. member.

Forced conversion of Hindu minorities, particularly girls and atrocities against them in Pakistan

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान): माननीय सभापति महोदय, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ, विशेषकर हिन्दू लड़कियों को अगवा कर उनका जबरन धर्म-परिवर्तन कराने की प्रवृत्ति पुलवामा एयर स्ट्राइक के बाद ज्यादा बढ़ गई है। पाकिस्तान के उमरकोट, रहीम यार खान, सांगर, सकोरमिठी, अमरकोट, नगरपारकर, थारपारकर जैसे इलाकों से इस दौरान हमारे राजस्थान के जोधपुर में भील और मेघवाल परिवार के कई लोग आए हैं। यह भी सामने आया है कि वहाँ गुरुद्वारे में घुसकर सिखों को बाहर किया गया, जिसके लिए प्रदर्शन हुआ। सिन्ध प्रदेश में कुछ दिन पहले अपहरण और बलात्कार की घटना हुई। ऐसी जानकारी सामने आई है कि थारपारकर में 37 भील परिवारों का धर्म-परिवर्तन करवाया गया। वहाँ एक मौलवी ने इन गरीब लोगों के परिवार के सामने यह शर्त रखी कि अगर तुमको यहाँ रहना है, तो तुम धर्म-परिवर्तन करने के बाद ही पाकिस्तान में रह सकोगे। पाकिस्तान में हर साल 1,000 से ज्यादा हिन्दू युवतियों का धर्म-परिवर्तन कराया जाता है और मानवाधिकार के लिहाज से पाकिस्तान अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित स्थान नही है। अन्तर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी अमेरिकी कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में पाकिस्तान की सरकार अल्पसंख्यकों के प्रति कतई गंभीर नही है। सभापति महोदय, 71 साल में 90 फीसदी हिन्दू पाकिस्तान छोड़ चुके हैं। वर्ष 1947 में जहां पाकिस्तान में हिन्दुओं की जनसंख्या 31 प्रतिशत थी, वह इस समय 1.2 प्रतिशत है। पाकिस्तान के 95 प्रतिशत मंदिरों को नष्ट किया जा चुका है।

श्री सभापति: आपका सुझाव क्या है?

डा. किरोड़ी लाल मीणा: मैं बता रहा हूं। वर्ष 1990 के बाद वहां पर उनके पूजा स्थलों को ध्वस्त कर दिया गया।

श्री सभापति: प्लीज़, विषय गंभीर है।

डा. किरोड़ी लाल मीणा: अभी प्रधान मंत्री जी की अमेरिका यात्रा के दौरान भी यह मामला वहां पर उठा था। सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार दबाव बनाए और जो हिन्दुओं, सिखों, ईसाइयों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है, उस अत्याचार को कैसे कम किया जा सकता है, इस पर बहुत आवश्यकता है कि भारत सरकार

[डा. किरोड़ी लाल मीणा]
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाए और इस अत्याचार, दमन को व धर्म परिवर्तन करने की जबरन प्रवृत्ति को रोका जाए।

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

सुश्री सरोज पाण्डेय (छत्तीसगढ़): सभापति महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूं।

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): सभापति महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्रीमती सम्पतिया उइके (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूं।

श्रीमती रूपा गांगुली (नाम निर्देशित): सभापति महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूं।

श्री सुरेश गोपी (नाम निर्देशित): सभापति महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

DR. C. P THAKUR (Bihar): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. J. ALPHONS (Rajasthan): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI JUGALSINH MATHURJI LOKHANDWALA (Gujarat): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI OM PRAKASH MATHUR (Rajasthan): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Contract teachers in schools

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, my Zero Hour submission is regarding contract teachers in schools in different parts of India. सर, हम जानते हैं कि